जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 150 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 4 अप्रेल, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

रॉबर्ट वाड्रा एक बार फिर चुनाव लड़ने के लिये कसमसाये!

एक टी.वी. चैनल को दिये इन्टरव्यू में रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि, उन्हें संसद में होना चाहिये, जिससे वे स्मृति इरानी के उन पर लगाये आरोप का जमकर जवाब दे सकें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रेल। अभी तक कांग्रेस पार्टी की तरफ से कोई संकेत नहीं है कि, अमेठी और रायबेरली सीटों से चुनाव कौन लड़ेगा। इस विषय पर कांग्रेस ने अभी तक अपने कार्ड नहीं खोले हैं।

अभी तक यह पता है कि, राहुल गाँधी का सोच यहाँ तक साफ है कि, प्रियंका गाँधी को भी चुनाव नहीं लड़ना चाहिए ना ही राज्यसभा के रास्ते संसद पहुँचना चाहिए। क्योंकि, गाँधी परिवार के जितने ज्यादा लोग संसद में दिखते हैं, मोदी के कांग्रेस पर वंशवाद के आरोप को और मजबूती मिलती है।

अब एन्ट्री होती है, प्रियंका गाँधी के पति रॉबर्ट वाड्रा की। जैसा कि वो हर चुनाव से पहले करते हैं, चाहे वो लोकसभा हो या विधानसभा, वाड्रा एक बार फिर चुनाव मैदान में कूदने के लिए कसमसा रहे हैं।

- रॉबर्ट वाड्रा ने खुद के लिये टिकट की पैरवी करते हुए, यह भी कहा कि, उनके पास देशभर से मैसेज आ रहे हैं कि, उन्हें इस बार चुनाव अवश्य लड़ना चाहिये।
- पिछली बार भी चुनाव से पहले रॉबर्ट वाड्रा ने चुनाव लड़ने की पूरी पेशकश की थी। पर, राहुल गांधी ने उन्हें टिकट देने से साफ मना कर दिया था तथा चुप करा दिया था।
- राहुल गांधी का सोच तो यहां तक भी साफ है कि, प्रियंका गांधी को भी चुनाव नहीं लड़ना चाहिये और न ही राज्यसभा के रास्ते संसद पहुंचना चाहिये, क्योंकि गांधी-नेहरू परिवार के जितने ज्यादा लोग संसद में दिखते हैं, मोदी के कांग्रेस पर वंशवाद के आरोप को और मजबूती मिलती है।
- इसीलिये संभवतया, इस बार अमेठी व रायबरेली की सीट पर इस परिवार का कोई भी व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ेगा।

एक टी.वी. चैनल को दिए इन्टरव्यू में, वाड्रा ने काफी स्पष्ट शब्दों में कहा है कि, उन्हें और प्रियंका गाँधी, दोनों को संसद में होना चाहिए और वो संसद के अंदर स्मृति ईरानी द्वारा उन पर लगाए आरोपों का जवाब देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि, देश भर से लोग उनसे चुनाव लड़ने को कह रहे हैं।

पिछली बार जब उन्होंने यह सब कहा था और टिकट पाने की कोशिश की थी, तब राहुल गाँधी ने उन्हें चुप करा दिया था और स्पष्ट रुप से ना कह दिया था।

राहुल गाँधी ने आज वायनाड से अपना नामांकन दाखिल किया लेकिन अमेठी को लेकर कोई संकेत नहीं दिया। सूत्रों का कहना है कि, इस बात की बहुत कम संभावना है कि, गाँधी परिवार का कोई सदस्य अमेठी या रायबरेली से चुनाव लड़ेगा और ऐसा पहली बार होगा कि, गाँधी परिवार की सीट से परिवार का कोई व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ रहा।

इससे नज़र आता है कि, कैसे कांग्रेस पार्टी हिन्दी भाषी क्षेत्र के सबसे बड़े राज्य में, जो संसद में 80 सांसद भेजता है, अपनी प्रासंगिकता खोती जा रही है और यह भी कि, कांग्रेस नेतृत्व मतदाताओं को आकर्षित करने में असमर्थ है और मुसलमानों को छोड़कर उनके पास कोई वोट बैंक नहीं बचा है तथा मुसलमान अकेले चुनाव में विजय सुनिश्चित नहीं कर सकते।

चुनावी राजनीति में सफलता के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वैभव का प्रचार करने जालोर जाएंगे पायलट

बाड़मेर, 3 अप्रेल (का.प्र.)। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि, 2019 में वैभव के टिकट के लिए मैंने भी एफर्ट किए थे। अब मैं जालोर जाकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत के लिए प्रचार करूंगा।

उन्होंने कहा, जब मैं 2019 में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष था, तब मैंने दिल्ली से यह प्रयास किया कि वैभव को टिकट मिल जाए। मैं उनके नॉमिनेशन में भी गया था। मैंने उनके लिए प्रचार किया था। हालांकि, तब वे

- सचिन पायलट ने कहा कि, 2019 में भी वैभव को टिकट दिलाने के लिए ''एफर्ट'' किए थे अब मैं उनके प्रचार के लिए भी जाऊंगा।

चुनाव हार गए थे। इस बार वे जालोर से चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार भी मैं उनके लिए चुनाव प्रचार करूंगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से विवाद पर पायलट ने कहा, मैंने आपा नहीं खोया, मर्यादा व शालीनता रखी और बड़ा दिल दिखाते हुए आगे बढ़ने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि, कड़वाहट को भुलाकर आगे बढ़ना ही पार्टी के हित में है।

गहलोत के पुराने बयानों पर पायलट ने कहा कि, गहलोत को उन्हीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संजय निरूपम कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देंगे आज

संजय निरूपम कांग्रेस पार्टी से काफी खफा थे, मुम्बई नॉर्थ-वैस्ट सीट को शिव सेना के लिये छोड़ देने का निर्णय लेने के बाद

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रैल। महाराष्ट्र के कांग्रेसी नेता, संजय निरूपम ने पार्टी छोड़ने का मन बना लिया प्रतीत होता है, जैसा कि पार्टी के राज्य प्रमुख, नाना पटोले की उनके विरूद्ध कार्रवाई करने की धमकी के प्रत्युत्तर में उनकी आक्रामक प्रतिक्रिया से स्पष्ट है।

निरूपम ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, ''कांग्रेस को अपनी ऊर्जा और स्टेशनरी, मुझ पर बर्बाद नहीं करनी चाहिए बल्कि उसे पार्टी को बचाने के लिए बचा के रखनी चाहिए। पार्टी वैसे भी व्यापक वित्तीय चुनौती का सामना कर रही है। मैंने एक सप्ताह का समय दिया था और आज वह खत्म होता है। मैं कल अपना निर्णय लूंगा।

- रूष्ट निरूपम ने कांग्रेस के खिलाफ कई वक्तव्य दिये थे तथा महाराष्ट्र में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने निरूपम के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही और पार्टी से निष्कासन तक की बात कही।
- इस धमकी पर, निरूपम ने प्रैस कॉन्फ्रैंस करके कहा कि, कांग्रेस मुझे नोटिस देने का काम करने में अपनी स्टेशनरी बर्बाद न करे, मैंने सात दिन का समय दिया था कांग्रेस को, मुम्बई नॉर्थ वैस्ट सीट के बारे में अपना निर्णय बदल ले। बुधवार शाम को वो सात दिन पूरे हो रहे हैं, अतः कल मैं अपना निर्णय बताऊंगा, कांग्रेस की सदस्यता त्यागने के बारे में।

इससे पहले पटोले ने एक प्रैस सम्मेलन में कहा था कि, पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची में से निरूपम का नाम हटा दिया है और पूर्व सांसद के हालिया विवादास्पद टिप्पणियों के कारण उनके विरूद्ध कार्यवाही शुरू कर दी गई है। महाराष्ट्र की कई लोकसभा सीटों के लिए, शिव सेना उद्धव बाल ठाकरे (यू.बी.टी.) के अपने उम्मीदवारों की घोषणा के बाद, निरूपम ने शिव सेना यू.बी.टी. पर हमलों की झड़ी शुरू कर दी थी, इसके बाद पटोले का उपरोक्त बयान आया था। ज्ञातव्य है कि निरूपम उत्तर-पश्चिम मुंबई क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहते थे, जहां से शिव सेना यू.बी.टी. ने अमोल कीर्तिकर की उम्मीदवारी घोषित कर दी है। शिव सेना के शिंदे गुट के गजानन कीर्तिकर वर्तमान में यहां से सांसद हैं। वर्ष 2019 के चुनावों में कीर्तिकर ने निरूपम को हराया था।

मुंबई की छः लोकसभा सीटों में से, शिव सेना यू.बी.टी. 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और केवल एक सीट कांग्रेस के लिए छोड़ेगी। निरूपम ने पहले कहा था, ''यह तो दान देने के समान है। सीट बंटवारे की यह व्यवस्था मुंबई में कांग्रेस का अस्तित्व खत्म करने के लक्ष्य में की गई है। मैं इस निर्णय का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घाना में पादरी ने नाबालिग लड़की से रचाई शादी ,देश में आक्रोश व्याप्त

अक्करा, 3 अप्रैल (वार्ता)। घाना में एक पादरी ने एक नाबालिग लड़की से शादी कर ली है जिससे देशभर में आक्रोश व्याप्त है और पादरी की गिरफ्तारी की मांग जोरों पर है।

पादरी जी वुलोमो (63) ने शनिवार को यहां राजधानी अक्करा के पास एक पारंपरिक समारोह में 13 वर्षीय लड़की से शादी की। शादी के तुरंत बाद लड़की और उसकी मां को पुलिस सुरक्षा में रखा गया और घाना के अटॉर्नी जनरल ने इस विवाह की जांच शुरू कर दी है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के एक बयान में कहा गया है, ''अगर आरोप साबित हो जाता है, तो यह एक अपराध है, जिसमें शामिल सभी व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया जायेगा। घाना के कानून के तहत, शादी के लिए कानूनी न्यूनतम आयु 18 वर्ष है।

'यूपीआई लेनदेन में 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी

मुंबई, 3 अप्रैल (वार्ता)। पिछले साल दूसरी तिमाही में यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की संख्या में सालना आधार पर 56 प्रतिशत का उल्लेखनीय उछाल देखा गया।

भुगतान सेवाओं में अग्रणी वैश्विक कंपनी वर्ल्डलाइन की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान मूल्य के हिसाब से भी यूपीआई लेनदेन में भी 44 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई - दिसंबर 2023) के लिए वर्ल्डलाइन की भारत डिजिटल भुगतान रिपोर्ट के अनुसार 2023 के उत्तरार्ध में संख्या के हिसाब से यूपीआई लेन-देन एक साल पहले की इसी अवधि की तुलना में 56प्रतिशत बढ कर 65.77 अरब के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, 2022 की दूसरी छमाही में यह संख्या 42.09 अरब के स्तर पर थी।

इसी समयावधि में यूपीआई लेन-देन उनके कुल मूल्य के हिसाब से 44 फीसदी की वृद्धि के साथ 99.68 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष

- वर्ल्डलाइन की यह छमाही डिजिटल भुगतान परिदृश्य में उल्लेखनीय रुझानों और बदलावों की एक श्रृंखला को दर्शाती है। रिपोर्ट से पता चलता है कि भुगतान प्रणाली में यूपीआई का दबदबा बना हुआ है और यह तेजी से भारत से बाहर अपनी पहुंच बढ़ा रहा है।

2022 की दूसरी छमाही में यूपीआई के माध्यम से कुल 69.36 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन किए गए।

वर्ल्डलाइन की यह छमाही डिजिटल भुगतान परिदृश्य में उल्लेखनीय रुझानों और बदलावों की एक श्रृंखला को दर्शाती है। रिपोर्ट से पता चलता है कि भुगतान प्रणाली में यूपीआई का दबदबा बना हुआ है और यह तेजी से भारत से बाहर अपनी पहुंच बढा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान यूपीआई भुगतानों का औसत आकार (एटीएस) एक साल पहले की इसी अवधि के 1648 रुपये से 8 प्रतिशत घटकर 1515 रुपये हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सौदों के आकार का घटना देश में डिजिटल भुगतान की प्रवृत्ति के अनुरूप है। यह दर्शाता है कि यूपीआई अब समाज में और अधिक गहन तरीके से अपनाया जाने लगा है और लोग छोटे और सूक्ष्म लेनदेन में इसका प्रयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सौदों के आकार में यह गिरावट मुख्य रूप से व्यक्ति-से-व्यापारी (पी2एम) लेनदेन में वृद्धि के कारण है। वर्ल्डलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी - भारत, रमेश नरसिम्हन ने कहा, वर्ष 2023 में भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में कुछ महत्वपूर्ण प्रवृत्तियां देखी गयीं। मोबाइल लेनदेन में पर्याप्त विस्तार के साथ यूपीआई ने निर्विरोध अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है।

ईडी-भाजपा में कोई अंतर नहीं: आप

नयी दिल्ली, 3 अप्रैल (वार्ता)। आप ने सांसद संजय सिंह के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रवक्ता एवं प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) का प्रतिनिधित्व करने पर सवाल खड़ा करते हुए बुधवार को कहा कि ईडी और भाजपा एक ही हैं।

आप के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा उम्मीदवार सोमनाथ भारती ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा केंद्रीय जांच एजेंसियों को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है। भाजपा ने भारत के संविधान और लोकतंत्र को तार-तार किया है। आप ने शुरूआत से कहा है कि ईडी, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और चुनाव आयोग भाजपा की राजनीतिक इकाई बन गए हैं। अब यह सिद्ध हो चुका है कि ईडी और भाजपा एक ही हैं।

भाजपा की वॉशिंग मशीन पद्धित उजागर : स्टालिन

स्टालिन ने आरोप लगाया कि मोदी का परिवार 'ईडी-आईटी-सीबीआई' है

चेन्नई, 3 अप्रैल (वार्ता)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक के अध्यक्ष एम.के.स्टालिन ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वॉशिंग मशीन पद्धित - जिसमें पार्टी लाइनों से हटकर, भगवा पार्टी में शामिल हुए विभिन्न दलों के प्रमुख नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले या तो बंद कर दिए जाते हैं या निलंबित कर दिए जाते हैं - उजागर हो चुका है।

एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए, स्टालिन ने कहा कि 2014 से अब तक 25 प्रमुख विपक्षी राजनेता भाजपा में शामिल हुए हैं जो कथित रूप से भ्रष्टाचार के लिए केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का सामना कर रहे हैं।

इनमें से 23 को उनके राजनीतिक

- स्टालिन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भाजपा की वॉशिंग मशीन पद्धित का पर्दाफाश हुआ है।

कदम के कारण बहुत राहत मिली है। रिपोर्ट के अनुसार तीन मामलों को बंद कर दिया गया है, जबकि 20 अन्य मामले या तो निलंबित हैं या ठंडे बस्ते में हैं।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टालिन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भाजपा की वॉशिंग मशीन पद्धित का पर्दाफाश हुआ है। उन्होंने रिपोर्ट का हवाले देते हुए कहा, भाजपा में शामिल होने वाले 25 विपक्षी नेताओं में से 20 के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में कार्यवाही निलंबित कर दी गई है, जबकि तीन नेताओं के खिलाफ मामलों को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि इसे साबित करने के लिए इससे ज्यादा प्रमाण की आवश्यकता नहीं है कि भाजपा ने अपने 10 वर्षों के शासनकाल में कैसे देश की केंद्रीय जांच एजेंसियों को कलंकित किया है?

स्टालिन ने द्रमुक के दिवंगत नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई के एक वक्तव्य का हवाला देते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बहुत उपयुक्त है, जिन्होंने भ्रष्ट नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल किया और भ्रष्टाचार मिटाने की बात बोलकर झूठ फैलाया। स्टालिन ने आरोप लगाया कि मोदी का परिवार 'ईडी-आईटी-सीबीआई' है।

कांग्रेस व अन्य दलों के 314 वरिष्ठ नेता भाजपा में शामिल हुए

इनमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शंकर पन्नू, पूर्व विधायक नंद किशोर महरिया, जे.पी. चंदेलिया आदि प्रमुख हैं

जयपुर, 3 अप्रैल (का.सं.)। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आज विभिन्न राजनैतिक दलों से आए सांसद, पूर्व मंत्री, विधायक, प्रधान, जिला परिषद सदस्य और पंचायत समिति सदस्यों सहित 314 नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर, जॉइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल और श्रवण सिंह बगड़ी ने श्रीगंगानगर के पूर्व सांसद एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शंकर पन्नू, पूर्व विधायक जे पी चंदेलिया, पूर्व विधायक नंदकिशोर महरिया, शिमला देवी बावरी, फतेहपुर विधानसभा प्रत्याशी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मधुसूदन भिंडा, गंगानगर से प्रत्याशी रहे

- इन नेताओं को भाजपा जॉइन कराने के कार्यक्रम में भाजपा की प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, जॉइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी व कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।
- श्रीगंगानगर के पूर्व सांसद शंकर पन्नू ने कहा, कांग्रेस एक परिवार की पार्टी है कुछ दिन बाद कांग्रेस का कोई नामलेवा भी नहीं बचेगा, इस पार्टी में आम कार्यकर्ता की कोई सुनवाई नहीं है।
- नंद किशोर महरिया ने कहा, भाजपा यमुना जल लाकर शेखावाटी की पानी की समस्या का समाधान कर रही है।

पृथ्वीपाल सिंह, झुंझुनू से पूर्व प्रत्याशी रहे राजेन्द्र भामू, पिलानी से पूर्व प्रत्याशी कैलाश मेघवाल, ब्राह्मण महासभा के प्रदेश सचिव विजय कौशिक, पूर्व जिलाध्यक्ष झुंझुनू सुभाष शर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष गुलाब कंवर, कांग्रेस के महामंत्री रहे नरेन्द्र इंदौरिया, जेजेपी यूथ विंग के प्रदेशाध्यक्ष प्रतीक महरिया, युवा ब्राहमण महासभा के प्रदेश महामंत्री निखिल इंदौरिया और ब्यावर से प्रत्याशी रहे इंद्र सिंह बाघावास, मनोज गौतड सहित सैंकड़ो नेताओं को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई।

सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजय रथ को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश का हर वर्ग साथ है। राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बेहतर काम कर रही है, वहीं, भाजपा का संगठन प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के नेतृत्व में सभी को साथ लेकर चल रहा है।

जॉइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों का भाजपा परिवार में स्वागत है। आज समाज के हर वर्ग को यह नजर आने लगा है कि कांग्रेस डूबती हुई नाव है, इसलिए सभी नेता कांग्रेस को छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं।

गंगानगर के पूर्व सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शंकर पन्नू ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण करते हुए कहा कि, मैने कांग्रेस में लंबे समय तक काम किया, लेकिन आज कांग्रेस में कार्यकर्ता की कोई सुनवाई नहीं है। एक परिवार की पैरवी करने वाली कांग्रेस में दिल्ली से लेकर नीचे तक परिवारवाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अम्बानी बने 100 बिलियन क्लब में शामिल होने वाले पहले भारतीय

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रेल। वर्ष 2024 की फोर्ब्स वर्ल्ड्स बिनियर्स लिस्ट के अनुसार, रिलायंस इण्डस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 116 अरब डॉलर की सम्पत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर आदमी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अंबानी विश्व के 9वें सबसे अमीर व्यक्ति भी हैं और इनकी मुकेश अंबानी की सम्पत्ति में 39.76 प्रतिशत इजाफा हुआ, जिससे वह 100 बिलियन डॉलर के विशिष्ट क्लब में शामिल होने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

- फोर्ब्स की नवीनतम लिस्ट के अनुसार सबसे अमीर भारतीय मुकेश अम्बानी विश्व के सर्वाधिक अमीर लोगों की लिस्ट में नवें नम्बर पर हैं।

भारत में दूसरे स्थान पर अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी हैं। उनकी नैट वर्थ 84 बिलियन डॉलर है। सावित्री जिन्दल भारत की सबसे अमीर महिला है और देश के अमीरों की लिस्ट में 33.5 बिलियन डॉलर की सम्पत्ति के साथ वह चौथे नम्बर पर है।

अमेरिका में सर्वाधिक 813 अरबपति, उसके बाद चीन में 473 (हांगकांग को मिलाकर) हैं। उसके बाद 200 अरबपतियों के साथ भारत तीसरे स्थान पर है।

फोर्ब्स की वर्ल्ड बिलिनियर लिस्ट 2024 के 10 भारतीय अरबपतियों के नाम हैं:-

मुकेश अंबानी- 116 अरब डॉलर, गौतम अडानी-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चंदे से भव्य कॉर्पोरेट ऑफिस बना रहा है संघ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अप्रेल। राजधानी दिल्ली में बन रहे आर.एस.एस. के तीन मीनारों वाले विशाल ऑफिस के लिए उगाहे गए फण्ड्स को लेकर प्रश्न पूछे जा रहे हैं। पहली मीनार जो12 फ्लोर की है, के एक वर्ष के भीतर बनकर तैयार हो जाने की उम्मीद है। इस का निर्माण वर्ष 2016 में शुरु हुआ था।

आर.एस.एस. ना तो कोई रजिस्टर्ड एन.जी.ओ. है और ना ही इसके खातों की कोई ऑडिट की जाती है तथा

- तीन टावर वाली इस इमारत का पहला 12 मंजिला टावर एक साल में बन कर तैयार हो जाएगा। ऑफिस की इमारत का निर्माण 2016 में शुरू हुआ था। मात्र चंदे से इतना भव्य ऑफिस बनाए जाने पर कई सवाल उठ रहे हैं।

यह आयकर अधिनियम के दायरे में भी नहीं आता है और वास्तव में किसी को यह नहीं पता कि यह अपने फण्ड्स कैसे जुटाता है या इसे विदेशी फण्ड्स प्राप्त हो रहे हैं।

वर्ष 2016 में इस निर्माण कार्य की आधारशिला आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत ने 3.5 लाख वर्ग फीट के भूखण्ड पर रखी। यहां आर.एस.एस. का पुराना ऑफिस था, जिसका चयन विशालकाय दफ्तर के निर्माण के लिए किया गया। झण्डेवालान स्थित इस साइट को केशवगंज के रूप में जाना जाता है और केशव स्मारक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)